भाकृअनुप-राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केन्द्र

मुशहरी, मुजफ्फरपुर, बिहार

ICAR-NATIONAL RESEARCH CENTRE ON LITCHI

एडवाइजरी (लीची किसानों हेतु परामर्श)

वर्तमान मौसम कीटों के प्रकोप के लिए अनुकूल है। अतः किसान भाइयों को राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र की ओर से निम्नलिखित वैज्ञानिक सलाह दी जाती है जो शाही किस्म के हिसाब से है। चाइना किस्म में यही एक सप्ताह के अंतराल के बाद होगी।

1. फल बेधक कीट नियंत्रण: इस समय शाही किस्म में फल बेधक कीट का खतरा अधिक रहता है। नियंत्रण के लिए निम्न में से किसी एक का छिड़काव करें:

- थियाक्लोप्रिड 0.6 मि.ली./लीटर + लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन 0.6 मि.ली./लीटर पानी में मिलाकर,

या

- नोवेल्यूरॉन 5.25% + इंडोक्साकार्ब 4.5% एस.सी.-1.5 मि.ली./लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

2. बोरॉन का दूसरा छिड़काव:

- फल की गुणवत्ता एवं विकास सुधार हेतु घुलनशील बोरॉन (21% बोरॉन) @ 1.0 मि.ली./लीटर पानी का दूसरा छिड़काव करें। इसे उपर्युक्त कीटनाशी घोल के साथ मिलाकर भी छिड़काव किया जा सकता है।

3. अंतिम छिड़काव (तुड़ाई से 10–12 दिन पूर्व): फल बेधक कीट से अंतिम सुरक्षा हेतु तुड़ाई से 10–12 दिन पहले निम्न में से किसी एक का छिड़काव करें:

- इमामेक्टिन बेन्जोएट 5% एस.जी. @ 0.8 ग्राम/लीटर पानी,
- स्पाइनोसैड 45% एस.सी. @ 1.6 मि.ली./5 लीटर पानी,
- स्पिनेटोरम 11.7% एस.सी. @ 1.0 मि.ली./लीटर पानी।

साथ ही, रोग नियंत्रण एवं फल की गुणवत्ता सुधार के लिए:

- थायोफेनेट मिथाइल @ 2 ग्राम/लीटर पानी मिलाकर छिड़काव किया जा सकता है।

👉 विशेष ध्यान दें:

- छिड़काव सुबह या शाम के समय करें।
- अनुशंसित मात्रा का ही उपयोग करें।
- बागों में हल्की सिंचाई करके नमी बनाए रखें।
- सुरक्षा उपकरण (मास्क, दस्ताने) का प्रयोग अवश्य करें।

(बिकाश दास)

निदेशक